



MICROFINANCE INSTITUTIONS NETWORK

MICROFINANCE INSTITUTIONS NETWORK

Media Visibility Report

Fincare-Small Finance Bank

State: Madhya Pradesh

Prepared by:



S.No	Publication Name	Media
1	Dainik Jagran	Print
2	Dainik Naidunia	Print
3	Haribhoomi	Print
4	Samay Jagat	Print
5	Yug Pradesh	Print
6	Dainik Kausar	Print
7	Sandhya Prakash	Print
8	Swadesh	Print
9	LN times	Print
10	Fine Star	Print

Date	17 December
Publication	Dainik Jagran
Edition	Teegaon, Madhya Pradesh
Page No.	7

जिंदगियां बदल रहा फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

तीगांव, जेएनएन। श्रीमती दिशा घोड़े मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव तीगांव में रहती हैं। करीब 3-4 वर्ष पहले तक दिशा के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। फिनकेयर के ऋण अधिकारी ने दिशा को बैंक के समूह ऋण के बारे में बताया और साथ ही एक समूह की जिम्मेदारियों और सुविधा की जानकारी भी दी। ऋण अधिकारी ने दिशा को बताया कि यह बैंक उनके जैसे परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधारने में किस तरह से मदद कर सकती है। इस मुलाकात के बाद दिशा भी फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के स्वयं सहायता समूह की सदस्य बन गई। आज उनके प्रयासों के चलते उनके परिवार की मासिक आमदनी बढ़कर 25,000 से 26000 रुपए हो गई है।

Date	17 December
Publication	Dainik Naidunia
Edition	Teegaon, Madhya Pradesh
Page No.	9

मप्र के लोगों की ज़िंदगियां बदलने में मदद कर रहा है फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

भोपाल। श्रीमती दिशा घोडे मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव तीगांव में रहती हैं। उनकी कहानी जीवन में गरीबी से उठकर अपने घर के साथ-साथ पूरे गांव में एक प्रतिष्ठित महिला बनने का सफर दिखाती है। करीब 3-4 वर्ष पहले तक दिशा के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। एक कुशल ब्यूटिशियन और सिलाई-कढ़ाई में एक अनुभवी टीचर होने के बावजूद पैसों की कमी के कारण, दिशा अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने में कोई मदद नहीं कर पा रही थी। उनके पति की मामूली आमदनी घर का खर्च चलाने के लिए पूरी नहीं पड़ती थी। उन्होंने अपनी सहेलियों और रिश्तेदारों से भी आर्थिक मदद मांगने की कोशिश की लेकिन कोई भी उनकी सहायता करने को तैयार नहीं था।

Date	18 December
Publication	Haribhoomi
Edition	Teegaon, Madhya Pradesh
Page No.	8

लोगों की मदद कर रहा फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

तीगांव, मध्य प्रदेश। दिशा घोड़े मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव तीगांव में रहती हैं। उनकी कहानी जीवन में गरीबी से उठकर अपने घर के साथ-साथ पूरे गांव में एक प्रतिष्ठित महिला बनने का सफर दिखाती है। करीब 3-4 वर्ष



पहले तक दिशा के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। एक कुशल ब्यूटिशियन और सिलाई-कढ़ाई में एक अनुभवी टीचर होने के बावजूद पैसे की

कमी के कारण, दिशा अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने में कोई मदद नहीं कर पा रही थी। उनके पति की मामूली आमदनी घर का खर्च चलाने के लिए पूरी नहीं पड़ती थी। वो हार मानने को राजी नहीं थी और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने के फैसले पर अडिग रही। इसी बीच वो अपने पड़ोस में कुछ महिलाओं के एक समूह से मिली जो फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की एक समूह बैठक यानि ग्रुप मीटिंग के लिए अपने ऋण की किश्तें जमा करने आई थीं। वहां मौजूद फिनकेयर के ऋण अधिकारी ने दिशा को बैंक के समूह ऋण के बारे में बताया और साथ ही एक समूह की जिम्मेदारियों और सुविधा की जानकारी भी दी। ऋण अधिकारी ने दिशा को बताया कि यह बैंक उनके जैसे परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधारने में किस तरह से मदद कर सकती है। इस मुलाकात के बाद दिशा भी फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के स्वयं सहायता समूह की सदस्य बन गईं। शुरुआत में उन्होंने 20,000 रुपये का ऋण लिया, जिससे सिलाई मशीन और ब्यूटी पार्लर के लिए कुछ सामान खरीदा। इससे उन्हें 8000 रुपये प्रति महीने की कमाई होने लगी। उन्होंने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक से पिछला चुकाकर, 30,000 रुपये का एक दूसरा ऋण लिया, जिससे उन्होंने 4 सिलाई मशीन और खरीद ली। इसके बाद वो आसपास की महिलाओं को सिलाई का काम सिखाने लगी। आज उनके परिवार की मासिक आमदनी बढ़कर 26,000 रुपये हो गई जो कि उनकी पहले की आर्थिक हालत से काफी बेहतर थी।

Date	19 December
Publication	Samay Jagat
Edition	Teegaon, Madhya Pradesh
Page No.	6

मध्यप्रदेश के लोगों की जिंदगियां बदल रहा फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

छिंदवाड़ा। श्रीमती दिशा घोड़े मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव तीगांव में रहती हैं। उनकी कहानी जीवन में गरीबी से उठकर अपने घर के साथ-साथ पूरे गांव में एक प्रतिष्ठित महिला बनने का सफर दिखाती है। करीब 3.4 वर्ष पहले तक दिशा के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। एक कुशल ब्यूटिशियन और सिलाई-कढ़ाई में एक अनुभवी टीचर होने के बावजूद पैसों की कमी के कारण दिशा अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने में कोई मदद नहीं कर पा रही थी। उनके पति की मामूली आमदनी घर का खर्च चलाने के लिए पूरी नहीं पड़ती थी। दिशा ने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक से लोन लेकर अपनी आर्थिक स्थिति सुधारी।

Date	17 December
Publication	Yug Pradesh
Edition	Teegaon, Madhya Pradesh
Page No.	9

मध्यप्रदेश के लोगों की जिंदगियां बदलने में मदद कर रहा फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

मध्य प्रदेश(एजेंसी)। श्रीमती दिशा घोड़े मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव तीगांव में रहती हैं। उनकी कहानी जीवन में गरीबी से उठकर अपने घर के साथ-साथ पूरे गांव में एक प्रतिष्ठित महिला बनने का सफर दिखाती है। करीब 3-4 वर्ष पहले तक दिशा के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। एक कुशल ब्यूटिशियन और सिलाई-कढ़ाई में एक अनुभवी टीचर होने के बावजूद पैसों की कमी के कारण, दिशा अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने में कोई मदद नहीं कर पा रही थी। उनके पति की मामूली आमदनी घर का खर्च चलाने के लिए पूरी नहीं पड़ती थी। उन्होंने अपनी सहेलियों और रिश्तेदारों से भी आर्थिक मदद मांगने की कोशिश की लेकिन कोई भी उनकी सहायता करने को तैयार नहीं था। हर प्रकार की निराशा के बावजूद वो हार मानने को राजी नहीं थी और आर्थिक रूप से



आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने के फैसले पर अडिग रही। इसी बीच वो अपने पड़ोस में कुछ महिलाओं के एक समूह से मिली जो फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की एक समूह बैठक यानि ग्रुप मीटिंग के लिए अपने ऋण की किरतें जमा करने आई थीं। वहां मौजूद फिनकेयर के ऋण अधिकारी ने दिशा को बैंक के समूह ऋण के बारे में बताया और साथ ही एक समूह की जिम्मेदारियों और सुविधा की जानकारी भी दी। ऋण अधिकारी ने दिशा को बताया कि यह बैंक उनके जैसे परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधारने में किस तरह से मदद कर

सकती है। इस मुलाकात के बाद दिशा भी फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के स्वयं सहायता समूह (स्वात) की सदस्य बन गईं। शुरुआत में उन्होंने रु. 20,000 का ऋण लिया, जिससे सिलाई मशीन और ब्यूटी पालर के लिए कुछ सामान खरीदा। इससे उन्हें रु. 8000 प्रति महीने की कमाई होने लगी। खुद से कमा सकने की अपनी क्षमता देखकर उनका आत्मविश्वास भी बढ़ गया। इसलिए, अपना पिछला ऋण चुकाने के बाद उन्होंने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक से रु. 30,000 का एक दूसरा ऋण लिया, जिससे उन्होंने 4 सिलाई मशीन और खरीद ली। इसके बाद वो आसपास की महिलाओं को सिलाई का काम सिखाने लगी। अपने सतत प्रयासों के चलते उनके परिवार की मासिक आमदनी बढ़कर रु. 25,000 झू 26000 हो गई जो कि उनकी पहले की आर्थिक हालत से काफी बेहतर थी।

Date	22 December
Publication	Dainik Kausar
Edition	Teegaon, Madhya Pradesh
Page No.	7

जिंदगिया बदलने में मदद कर रहा है फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

तीगांव । श्रीमती दिशा घोड़े मध्य प्रदेश के एक छोटें से गांव तीगांव में रहती हैं। उनकी कहानी जीवन में गरीबी से उठकर अपने घर के साथ-साथ पूरे गांव में एक प्रतिष्ठित महिला बनने का सफर दिखाती है। करीब 3.4 वर्ष पहले तक दिशा के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। एक कुशल ब्यूटिशियन और सिलाई-कढ़ाई में एक अनुभवी टीचर होने के बावजूद पैसों की कमी के कारण दिशा अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने में कोई मदद नहीं कर पा रही थी। उनके पति की मामूली आमदनी घर का खर्च चलाने के लिए पूरी नहीं पड़ती थी। उन्होंने अपनी सहेलियों और रिश्तेदारों से भी आर्थिक मदद मांगने की कोशिश की लेकिन कोई भी उनकी सहायता करने को तैयार नहीं था। हर प्रकार की निराशा के बावजूद वो हार मानने को राजी नहीं थी और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने के फैसले पर अडिग रही। इसी बीच वो अपने पड़ोस में कुछ महिलाओं के एक समूह से मिली जो फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की एक समूह बैठक यानि ग्रुप मीटिंग के लिए अपने ऋण की किश्तें जमा करने आई थीं। वहां मौजूद फिनकेयर के ऋण अधिकारी ने दिशा को बैंक के समूह ऋण के बारे में बताया और साथ ही एक समूह की जिम्मेदारियों और सुविधा की जानकारी भी दी।

Date	17 December
Publication	Sandhya Prakash
Edition	Teegaon, Madhya Pradesh
Page No.	8

मध्य प्रदेश के लोगों की ज़िंदगियां बदलने में मदद कर रहा है फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

तीगांव, एजेंसी। श्रीमती दिशा घोड़े मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव तीगांव में रहती हैं। उनकी कहानी जीवन में गरीबी से उठकर अपने घर के साथ-साथ पूरे गांव में एक प्रतिष्ठित महिला बनने का सफर दिखाती है।

करीब 3-4 वर्ष पहले तक दिशा के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। एक कुशल ब्यूटिशियन और सिलाई-कढ़ाई में एक अनुभवी टीचर होने के बावजूद पैसों की कमी के कारण, दिशा अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने में कोई मदद नहीं कर पा रही थी। उनके पति की मामूली आमदनी घर का खर्च चलाने के लिए पूरी नहीं पड़ती थी। उन्होंने अपनी सहेलियों और रिश्तेदारों से भी आर्थिक मदद मांगने की कोशिश की लेकिन कोई भी उनकी सहायता करने को तैयार नहीं था।

हर प्रकार की निराशा के बावजूद वो हार मानने को राजी

नहीं थी और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने के फैसले पर अडिग रही। इसी बीच वो अपने पड़ोस में कुछ महिलाओं के एक समूह से मिली जो फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की एक समूह बैठक यानि ग्रुप मीटिंग के लिए अपने ऋण की किश्तें जमा करने आई थीं। वहां मौजूद फिनकेयर के ऋण अधिकारी ने दिशा को बैंक के समूह ऋण के बारे में बताया और साथ ही एक समूह की जिम्मेदारियों और सुविधा की जानकारी भी दी। ऋण अधिकारी ने दिशा को बताया कि यह उन जैसे परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधारने में किस तरह से मदद कर सकती है। इस मुलाकात के बाद दिशा भी फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के स्वयं सहायता समूह की सदस्य बन गई। शुरुआत में उन्होंने रु. 20,000 का ऋण लिया, जिससे सिलाई मशीन और ब्यूटी पार्लर के लिए कुछ सामान खरीदा।

Date	19 December
Publication	Swadesh
Edition	Teegaon, Madhya Pradesh
Page No.	6

लोगों की जिंदगियां बदलने में मदद कर रहा है फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

छिंदवाड़ा • श्रीमती दिशा घोडे मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव तीगांव में रहती हैं। उनकी कहानी जीवन में गरीबी से उठकर अपने घर के साथ-साथ पूरे गांव में एक प्रतिष्ठित महिला बनने का सफर दिखाती है। करीब 3-4 वर्ष पहले तक दिशा के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। एक कुशल ब्यूटिशियन और सिलाई-कढ़ाई में एक अनुभवी टीचर होने के बावजूद पैसों की कमी के कारण, दिशा अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने में कोई मदद नहीं कर पा रही थी। उनके पति की मामूली आमदनी घर का खर्च चलाने के लिए पूरी नहीं पड़ती थी। उन्होंने अपनी सहेलियों और रिश्तेदारों से भी आर्थिक मदद मांगने की कोशिश की लेकिन कोई भी उनकी सहायता करने को तैयार नहीं था। हर प्रकार की निराशा के बावजूद वो हार मानने को राजी नहीं थी और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने के फैसले पर अडिग रही। फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की एक समूह बैठक यानि ग्रुप मीटिंग के लिए अपने ऋण की किश्तें जमा करने आई थीं।

Date	18 December
Publication	LN Star
Edition	Teegaon, Madhya Pradesh
Page No.	8

मध्य प्रदेश के लोगों की जिंदगियां बदलने में मदद कर रहा है फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

तीगांव, एजेंसी। श्रीमती दिशा घोड़े मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव तीगांव में रहती हैं। उनकी कहानी जीवन में गरीबी से उठकर अपने घर के साथ-साथ पूरे गांव में एक प्रतिष्ठित महिला बनने का सफर दिखाती है।

करीब 3-4 वर्ष पहले तक दिशा के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। एक कुशल ब्यूटिशियन और सिलाई-कढ़ाई में एक अनुभवी टीचर होने के बावजूद पैसों की कमी के कारण, दिशा अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने में कोई मदद नहीं कर पा रही थी। उनके पति की मामूली आमदनी घर का खर्च चलाने के लिए पूरी नहीं पड़ती थी। उन्होंने अपनी सहेलियों और रिश्तेदारों से भी आर्थिक मदद मांगने की कोशिश की लेकिन कोई भी उनकी सहायता करने को तैयार नहीं था।

हर प्रकार की निराशा के बावजूद वो हार मानने को राजी नहीं थी और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने के फैसले पर अडिग रही। इसी बीच वो अपने पड़ोस में कुछ महिलाओं के एक समूह से मिली जो फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की एक

समूह बैठक यानि ग्रुप मीटिंग के लिए अपने ऋण की किश्तें जमा करने आई थीं। वहां मौजूद फिनकेयर के ऋण अधिकारी ने दिशा को बैंक के समूह ऋण के बारे में बताया और साथ ही एक समूह की जिम्मेदारियों और सुविधा की जानकारी भी दी। ऋण अधिकारी ने दिशा को बताया कि यह बैंक उनके जैसे परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधारने में किस तरह से मदद कर सकती है। इस मुलाकात के बाद दिशा भी फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के स्वयं सहायता समूह की सदस्य बन गई।

शुरुआत में उन्होंने रु. 20,000 का ऋण लिया, जिससे सिलाई मशीन और ब्यूटी पार्लर के लिए कुछ सामान खरीदा। इससे उन्हें रु. 8000 प्रति महीने की कमाई होने लगी। खुद से कमा सकने की अपनी क्षमता देखकर उनका आत्मविश्वास भी बढ़ गया। इसलिए, अपना पिछला ऋण चुकाने के बाद उन्होंने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक से रु. 30,000 का एक दूसरा ऋण लिया, जिससे उन्होंने 4 सिलाई मशीन और खरीद ली। इसके बाद वो आसपास की महिलाओं को सिलाई का काम सिखाने लगी।

Date	22 December
Publication	Fine Times
Edition	Teegaon, Madhya Pradesh
Page No.	6

मध्य प्रदेश के लोगों की जिंदगियां बदलने में मदद कर रहा है फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

तीगांव, मध्य प्रदेश। श्रीमती दिशा घोड़े मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव तीगांव में रहती हैं। उनकी कहानी जीवन में गरीबी से उठकर अपने घर के साथ-साथ पूरे गांव में एक प्रतिष्ठित महिला बनने का सफर दिखाती है। करीब 3-4 वर्ष पहले तक दिशा के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। एक कुशल ब्यूटिशियन और सिलाई-कढ़ाई में एक अनुभवी टीचर होने के बावजूद पैसों की कमी के कारण, दिशा अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने में कोई मदद नहीं कर पा रही थी। उनके पति की मामूली आमदनी घर का खर्च चलाने के लिए पूरी नहीं पड़ती थी। उन्होंने अपनी सहेलियों और रिश्तेदारों से भी आर्थिक मदद मांगने की कोशिश की लेकिन कोई भी उनकी सहायता करने को तैयार नहीं था।

हर प्रकार की निराशा के बावजूद वो हार मानने को राजी नहीं थी और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने के फैसले पर अडिग रही। इसी बीच वो अपने पड़ोस में कुछ महिलाओं के एक समूह से मिली जो फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की एक समूह बैठक यानि ग्रुप मीटिंग के लिए अपने ऋण की किश्तें जमा करने आई थीं। वहां मौजूद फिनकेयर के ऋण अधिकारी ने दिशा को बैंक के समूह ऋण के बारे में बताया और साथ ही एक समूह की जिम्मेदारियों और सुविधा की जानकारी भी दी। ऋण अधिकारी ने दिशा को बताया कि यह बैंक उनके जैसे परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधारने में किस तरह से मदद कर सकती है। इस मुलाकात के बाद दिशा भी फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के स्वयं सहायता समूह (स।स.) की

सदस्य बन गईं।

शुरुआत में उन्होंने रु. 20,000 का ऋण लिया, जिससे सिलाई मशीन और ब्यूटी पार्लर के लिए कुछ सामान खरीदा। इससे उन्हें रु. 8000 प्रति महीने की कमाई होने लगी। खुद से कमा सकने की अपनी क्षमता देखकर उनका आत्मविश्वास भी बढ़ गया। इसलिए, अपना पिछला ऋण चुकाने के बाद उन्होंने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक से रु. 30,000 का एक दूसरा ऋण लिया, जिससे उन्होंने 4 सिलाई मशीन और खरीद ली। इसके बाद वो आसपास की महिलाओं को सिलाई का काम सिखाने लगी। अपने सतत प्रयासों के चलते उनके परिवार की मासिक आमदनी बढ़कर रु. 25,000 झू 26000 हो गई जो कि उनकी पहले की आर्थिक हालत से काफी बेहतर थी। अब दिशा अपने समाज में एक प्रतिष्ठित जीवन व्यतीत कर रही हैं और अपने बच्चों को निजी स्कूल में भी पढ़ा रही हैं। जीवन में इस बदलाव के लिए वो फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक का आभार मानती हैं, जिसने जरूरत के वक्त पर उनकी जैसी कई सारी महिलाओं का साथ दिया है। फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की शुरुआत जून 2017 में हुई थी, जो पहले 'दिशा माइक्रोफिन लिमिटेड' नामक एनबीएफसी-एमएफआई कंपनी के रूप में जानी जाती थी। दिशा माइक्रोफिन सितंबर 2015 में आरबीआई से 'इन-प्रिंसिपल' स्वीकृति प्राप्त करने वाली 10 कंपनियों में से एक थी। यह अनुमति देश में वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने के लिए चुनिंदा गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और माइक्रो फाइनेंस कंपनियों को स्मॉल फाइनेंस बैंक शुरू करने के लिए दी जाती है।